बांग्ला नववर्ष का सुरों से स्वागत

लखनऊ (एसएनबी)। बैशाखी के बीहू गीत व पतझड़ के जाने के बाद आयी नयी फसल और पेड़ों पर आयी नयी पत्तियों का अहसास दिलाता झारखंड के चटोनागपुर के आदिवासियों का मारंग बुरू तुरू रूरू गीत ने सभी को थिरकने पर मजबूर कर दिया। यह नजारा शनिवार को बंगाली क्लब एवं युवक समिति की ओर से बंगालियों के नववर्ष पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम में देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन लालकुआं स्थित बंगाली क्लब में हुआ। इस मौके पर मुख्यअतिथि एंटीकरप्शन एडीजी आनंद लाल बनर्जी उपस्थित थे।

▶ बंगाली क्लब में गीत-संगीत ने बांधा समां

समिति के अध्यक्ष डीबी बोस ने बताया कि पहला बैशाख बंगालियों का नववर्ष होता है इसे हम लोग धूमधाम से मनाते है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कोलकाता से आये महुल ग्रुप के कलाकारों ने चार चांद लगा दिया। ग्रुप के कलाकार आनंद, पार्थो, सूभो की जोड़ी ने इबर तोर मोरा गांगे, अल्कप गीत केनी सांझिर वेली लाइते, अब्बासुद्दीन का गीत अमाए दुबाइलीरे, निरमालेंदु चौधरी व अंशुमन राय का सोहागा चांद बौदोनी धोनी और दादा पाये पोड़ी रे गीत गाकर कार्यक्रम में समा बांध दिया।

इसके बाद चटका गीत कमला सुंदरी ने सभी को अपने ही रंग में रंग लिया। अंत में सभी को दोरबेस मिठाई से मुंह मीठा कराया गया। ग्रुप का संचालन पार्थो भौमिक ने किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के सचिव अरुण कुमार बनर्जी ने किया।